

दिसंबर 2026 एवं जून 2027 की सत्रांत परीक्षा हेतु सत्रीय कार्य

बी.ए. दर्शनशास्त्र (BAFPY Philosophy)

पाठ्यक्रम कोड: BPYM-162

पाठ्यक्रम का नाम: नीतिशास्त्र : एक परिचय (Ethics: An Introduction)

निर्देश:

1. सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
2. सभी पाँच प्रश्न समान अंक के हैं।
3. प्रश्न संख्या 1 एवं 2 के उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।
4. जिन प्रश्नों के एक से अधिक भाग हैं, उनके सभी भागों के उत्तर दीजिए।

1. इमैनुएल कांट के कर्तव्यपरक नीतिशास्त्र (Deontological Ethics) पर निबंध लिखिए। 20

अथवा

नीतिशास्त्र से आप क्या समझते हैं? नीतिशास्त्र के अध्ययन की विभिन्न उपागमों (Approaches) का वर्णन कीजिए। 20

2. अरस्तू के सद्गुण नीतिशास्त्र संबंधी विचारों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 20

अथवा

चार पुरुषार्थों की विस्तारपूर्वक विवेचना कीजिए। भारतीय दार्शनिक परिप्रेक्ष्य में इस अवधारणा के महत्व को स्पष्ट कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए। $2 \times 10 = 20$

(क) नैतिक मानदंडों की प्रमुख योग्यताएँ अथवा विशेषताएँ क्या हैं? 10

(ख) प्राकृतिक नैतिक नियम (Natural Moral Law) और मानव गरिमा (Human Dignity) पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

(ग) सद्गुण का क्या अर्थ है? इस संदर्भ में सुकरात के कथन, “सद्गुण ही ज्ञान है” (Virtue is Knowledge), की व्याख्या कीजिए। 10

(घ) नैतिक अनुभव से आप क्या समझते हैं? विवेचना कीजिए। 10

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए। $4 \times 5 = 20$

(क) परिणामवाद क्या है? परिणामवाद के दो प्रकार कौन-से हैं? 5

(ख) प्लेटो द्वारा प्रतिपादित चार प्रमुख नैतिक सद्गुणों पर टिप्पणी लिखिए। 5

(ग) कर्मवाद क्या है? व्याख्या कीजिए। 5

(घ) परा-नीतिशास्त्रीय सापेक्षवाद (Meta-ethical Relativism) की प्रकृति क्या है? विवेचना कीजिए। 5

(ङ) पूर्ववर्ती अंतःकरण (Antecedent Conscience) और परवर्ती अंतःकरण (Consequent Conscience) में अंतर स्पष्ट कीजिए। 5

(च) नैतिक सापेक्षवाद (Moral Relativism) क्या है? यह नैतिक निरपेक्षवाद (Moral Absolutism) से किस प्रकार भिन्न है? 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। $5 \times 4 = 20$

(क) निरपेक्ष आदेश 4

(ख) नैतिक भावनाएँ 4

(ग) ऋत (Rta) 4

(घ) स्टोइकवाद 4

(ङ) सद्गुण 4

(च) यूडेमोनिया 4

(छ) आंतरिक अशुभ 4

(ज) सुखवाद 4